Impact Factor (SJIF): 6.126 E-ISSN: 2583-1615, P-ISSN: 3049-3498

International Journal of Research in Academic World

Received: 12/April/2025 **IJRAW:** 2025; 4(5):121-127 **Accepted:** 17/May/2025

आत्मकथात्मक विषयों की अभिव्यक्ति करता ट्रेसी एमिन का साहसी कलाकर्म

***[1]डॉ. कृष्णा महावर**

*[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, फाइन आर्ट्स विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, भारत।

सारांश

1990 की कला दुनिया में जब नवीन कला दीर्घाएँ, कलाकार, संग्राहक, कला पत्रिकाऐं तथा कला दर्शक सभी कलाकर्म में व्यस्त थे। ऐसे समय में ट्रेसी एमिन ने एक कलाकार, सेलिब्रिटी और मीडिया स्टार के रूप में स्थान बना लिया था। ऐमिन के कार्यों एवं चित्रण का केन्द्रिय बिन्दु एक ही था– आत्मकथात्मक सच्चाई। यह स्वचित्रण आधुनिक कलाकारों की तरह पोर्ट्रेट बनाना नहीं था, बल्कि पूरी तरह अभिव्यंजनावादी रेखाचित्रों और नवीन माध्यमों में था। उनके कार्यों में भावनात्मक पागलपन वाला तत्व था और यही गुण उनकी कला की प्रमुख विषेषता बनीं। अपने आत्मकथात्मक सच्चाईयों के साथ उन्होंने दृश्यात्मक व साहित्यिक पहलुओं को मिश्रित कर दिया। उन्होंने समाज को एक प्रभावकारी यन्त्र प्रदान किया। उन्होंने बहुत से असाधारण मीडियम में कार्य किया तथा अतिवादिता के साथ अपने जीवन को शब्दों में, रेखाओं में, वस्तुओं में, निओन लाइट द्वारा और स्वयं अपने शरीर के द्वारा अभिव्यक्ति दी। ट्रेसी एमिन आज के समय की प्रमुख आत्मकथावादी कलाकार हैं। ट्रेसी एमिन का कलाकर्म उनके परेशान व पीड़ा दायक जीवन के इर्द–गिर्द घूमता है।

यह शोध पत्र लिखने का मेरा उद्देश्य यही है कि जिस प्रकार आधुनिक काल की आत्मकथात्मक चित्रकार फ्रिडा काहलो किसी परिचय की मोहताज नहीं है, उसी प्रकार उत्तर आधुनिक समय की कलाकार ट्रेसी एमीन ऐसी महिला कलाकार है, जो मात्र चित्र ही नहीं बल्कि गैरपारंपरिक तरीकों द्वारा अपनी आत्मकथा दर्शाती है। प्रस्तुत शोध पत्र में ट्रेसी एमिन के ऐसे कुछ विशेष व साहसी कलाकर्मों की व्याख्या करते हुए उनके पीड़ा दायक जीवन पर समीक्षात्मक प्रकाश डालने की कोशिश की गई है।

मुख्य शब्दः आत्मकथा, ट्रेसी एमिन, मोनोप्रिंट, उत्तर आधुनिक कलाकार, माई बैड, कला, नारीवादी, जीवन, पीड़ा, इंस्टॉलेशन, रेखाचित्र।

प्रस्तावना

कई कलाकारों की कृतियों में उनकी आत्मकथा सापेक्ष रूप से सम्बन्धित होती है व कई कलाकारों की कृतियों में उनकी आत्मकथा निरपेक्ष रूप से सम्बन्धित होती हैं। चाहे चित्रकार हो, साहित्यकार या नाटककार प्रत्येक कलाकार की कलाकृति आत्मकथा का ही रूपान्तरण है, अंतर केवल माध्यम का हैं। एक कलाकार का पारिवारिक परिवेश उसकी रचनाओं को प्रभावित किये बिना नहीं रहता हैं।

चित्र 1: ट्रेसी एमिन

***Corresponding Author:** डॉ. कृष्णा महावर

ट्रेसी एमिन ब्रिटिश महिला कलाकार हैं। उनका जन्म सन् 1963 में लंदन में हुआ। [1] अपने जन्म के समय लगभग मृत अवस्था में थी। ट्रेसी एमिन का जीवन आम बच्चों की तुलना में अत्यधिक कठिन रहा। सन् 1966 में इनका परिवार मार्गरेट में स्थानांतरित हो जाता है। ट्रेसी एमिन के पिता का नाम एनवार एमिन था। जो कि मूल रूप से अफ्रीका के निवासी थे। ट्रेसी एमिन का पारिवारिक जीवन बहुत उलझनों से भरा रहा। जिस तरह से नकारात्मक संबंध उनके माता–पिता के थे। उस माहौल में जाहिर सी बात है कि दोनों बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी उनकी माता–पाम केशिन ने अकेले ही निर्वाह की। जिसके लिए उन्होंने रात्रि क्लब व होटल में नौकरी करके अपने बच्चों का भरण–पोषण किया। अपने बचपन में वह पुस्तक नहीं पढ़ती थी बल्कि वह अधिकतर समय टेलीविजन देखने में व्यतीत करती थी। पॉप संगीत उन्हें बेहद पसंद था । उन्हें आकर्षक व प्यारे खिलौने एकत्रित करने का शोक था।

उनकी कई कलाकृतियों में यौन पीड़ा प्रमुख विषय के रूप में उभर कर आया हैं। क्योंकि कम उम्र में उनके साथ यौन शोषण हुआ। जब वह मात्र तेरह वर्ष की थी तब उनके साथ दुष्कर्म हुआ। हालाँकि उन्हें बडे होने के दौरान देखभाल और प्यार भी प्राप्त हुआ। 1981 में मेडवे कॉलेज ऑफ डिजाइन से फैशन डिप्लोमा किया जिसे उन्होंने बीच में छोड़ दिया। 1982 से लेकर 1983 तक एक वर्ष तक वह आत्महत्या करने का प्रयास करती हैं।1983 में उन्होंने मेडस्टोन आर्ट कॉलेज से प्रिंट मेकिंग का अध्ययन किया। [2] यहाँ उन्होंने 3 वर्ष बड़ी प्रसन्नता से बिताये। बहुत जल्दी उन्होंने बहुत सी चीजे सीखी। चित्रकार एडवर्ड मुंख में गहरी रूचि उत्पन्न हुई। उन्होंने प्रथम श्रेणी से बी ए ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की। रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से एम ए की डिग्री प्राप्त की। [3]

बचपन और किशोरावस्था के कठिन वर्ष, दर्दनाक गर्भपात इत्यादि अनुभवों ने उन्हें झंझोड़ दिया। इन समस्त घटनाओं का प्रभाव उनके कलात्मक कार्यों में स्पष्टतः परिलक्षित होता हैं। वह जिस तरह की पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित रही है । यह सभी उपलब्धियाँ उन्हे गौरवान्वित करती है। एमिन खुद यह स्पष्ट करती है कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का उनके जीवन को किस तरह से प्रभावित किया है । वह स्वयं यह बताती है कि ''मेरे पिता कभी स्कूल नहीं गए थे। यह तथ्य है कि मैं मेरे परिवार से पहली महिला हूँ जो शिक्षित हैं।''

एमिन ने अपने कार्यो की जानकारी देने के लिए स्वयं अपने अनुभव साझा करते हुए अपने लैंगिक इतिहास, शोषण और गर्भपातों के साथ सम्बन्धो के बारो में बताया। कि– ''मैंने महसूस किया, मैं स्वयं मेरा कार्य हूँ। मैं स्वयं मेरे कार्य का निचोड़ हूँ। मैं हमेशा कहती हूँ कि जब मैं मर जाउंगी मेरे कार्य उतने अच्छे नहीं रह जायेंगे।'' [4]

इस आलेख में मैंने ट्रेसी की उन कृतियों को शामिल किया है जो उनकी दुखद आत्मकथा को बयां करती है जैसे दृ"वे जो प्रेम में परेशान है" (Those who suffer love & 2009), "मेरा बिस्तर" (My Bed & 1998), "एडुअर्ड मुंख और मेरे सभी मृत बच्चो को श्रद्धांजलि" (Homage to Edvard Munch and all my dead children & 1998), "होटल इंटरनेशनल" (Hotel International), "सभी वहां रह चुके है" (Everybodies been there,1997), "मानसिक आत्महत्या" (Mental Suiciede)," सभी जिनके साथ मैंने कभी शयन साझा किया" (Everyone I Have Ever Slept With 1963–1995), "बुरी तरह से गलत" (Terribly Wrong–1997) ये सभी वो कार्य है जिनके द्वारा ट्रेसी ने अपने निजी जीवन को ही विषय के रूप में प्रदर्शित किया था। इनका समीक्षात्मक विवरण इस प्रकार है।

1. "वे जो प्रेम में परेशान है" (Those Who Suffer Love)

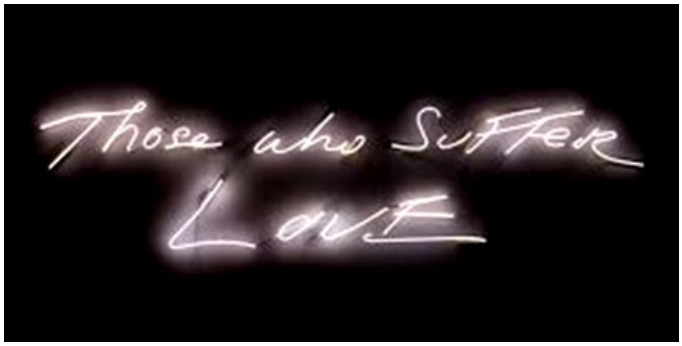

चित्र 2: "वे जो प्रेम में परेशान है"

यह कार्य सन् 2009 में हुई ट्रेसी एमिन की प्रदर्शनी का शीर्षक हैं। इस प्रदर्शनी का शीर्षक स्वव्याख्यात्मक हैं। जैसा कि इस प्रदर्शनी का शीर्षक है प्रेम सरलता से प्राप्त नहीं होता है। यह प्रदर्शनी मूल रूप से रेखा–चित्र पर केन्द्रित है सब कुछ सरल और रेखिक हैं।

इस प्रदर्शनी में ट्रेसी एमिन के कृतित्व में गैर–मातृत्व व अकेलेपन के विषय को लेकर अत्यंत वेदनामय अभिव्यक्ति हुई हैं। इस प्रदर्शनी में सन् 1991 में बनी मोनोप्रिंट डायरी के 24 नीले रंग से बने रेखाचित्र भी प्रदर्शित हुये हैं। जिसमें एमिन ने स्वयं को गर्भावस्था में चित्रित किया हैं। एक विशेष रेखा चित्र जिसमें गर्भ में भ्रूण को चित्रित किया हैं। जिसके पास में लिखा गया है क्या यह मैं हूँ, जब वह अपने गर्भपात के नजदीक थी तो वह गर्भावस्था के अनुभव को लेकर बेहद व्याकुल थी और खुद से पूछ

रही थी कि क्या वह गर्भावस्था के साथ जीने में सक्षम हैं। ट्रेसि एमिन ने गर्भपात की तुलना उस वृक्ष से की है जिसकी टहनियाँ काट दी जाती है। लेकिन वृक्ष ठूंठ की भाँति फिर भी जीवित रहता हैं।

ट्रेसी एमिन के अनुसार अपने प्रेमी को खोना और बच्चे को खोना दोनों अनुभव एक समान पीड़ादायी हैं। ट्रेसि एमिन अपने दर्दनाक ब्रेकअप, मृत बच्चों के दुःख को अपनी रचनाओं में प्रकट करती आई हैं। इतनी पीड़ा अकेलेपन, उदासी के बावजूद वह अपनी आत्मकथा को बेबाक रूप से बयान करती आयी हैं। जिस तरह से उन्होंने अपनी मानसिक व शारीरिक पीड़ा को प्रस्तुत किया है। उस पर कला समीक्षकों का मत है कि ट्रेसी एमिन जो कर रही है वह विशिष्ट है। उनकी कलात्मक रचनाओं की विषय–वस्तु व उद्देश्य स्वयं पर आश्रित हैं वह ऐसी कलाकार है जिसकी स्वयं की आवाज पुरूष सोच पर हावी है। अपने कृतित्व में अकेलेपन व उदासी को नियंत्रित करते हुए वह अन्य कलाकारों जैसे कि फ्रिडा काहलो, एडवर्ड मुंख, विन्सेंट वानगो की आत्मकथात्मक रचनाओं से बेहद समानता प्रतीत होती हैं।वे इन कलाकारों से प्रभावित भी है। [5] 2018 में लन्दन में एमिन का एक विशाल नियोन कार्य "आई वांट माय टाइम विद यू" सेंत पेंक्रास स्टेशन की एक बड़ी घडी के नीचे टेंगा गया था। "गार्डियन" को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि यह कार्य समस्त यूरोप को ब्रेक्सिट त्रासदी के दौरान दिया गया सन्देश था। [6]

2. "मेरा बिस्तर" (My Bed)

चित्र 3: "मरेा बिस्तर

सन् 1999 में ट्रेसी एमिन ने अपनी पहली एकल प्रदर्शनी ''एव्री पार्ट ऑफ मी इज ब्लीडिंग'' आयोजित की । इसमें उन्होंने माई बेड़ नामक कलाकृति को प्रदर्शित किया था। उनकी शुरूआती रचनाओं में से माई बेड ने लोकप्रियता के शिखर को प्राप्त किया। इस कलाकृति के लिए उनका नामांकन टर्नर प्राइज के लिये भी हुआ। इसमें लोक मर्यादा की चरम सीमा को पार करते हुए स्वयं के बिगडे हुए बेतरतीब बिस्तर को प्रस्तुत किया गया। ट्रेसी एमिन का प्रेम संबंध टूटने से वह गंभीर रूप से अवसादग्रस्त हो जाती है वे कई सप्ताह बिस्तर में नशा करते हुए, खाते हुए, सोते हुए व काम–क्रिया करते हुये बिताती हैं। उनका अव्यवस्थित बिस्तर निराशा के भाव प्रकट कर रहा हैं। बिस्तर के पास में दैनिक जीवन में इस्तेमाल करने वाली वस्तुओं का ढ़ेर, शराब की खाली बोतलें, एक जोड़ी गंदी चप्पल, बेल्ट, सिगरेट के खाली डिब्बे, खून के धब्बे लगे अन्तः वस्त्र, काम–क्रिया से जुड़ा हुआ सामान सम्मिलित हैं। यदि ऐसा कहा जाये कि ''यह सम्पूर्ण संयोजन जवान महिला कलाकार के'' आत्मचित्र ''को निर्मित करता प्रतीत हो रहा है'' तो कोई अतिष्योक्ति नहीं होगी। ''इस कृति के लिए आधारभूत भूमिका का निर्वाह मार्षेल धूंषा की'' रेडीमेड ''और अवधारणा और एंडी वारहोल की ब्रिलबॉक्स नामक कलाकृति रही हैं।

3. "एडुअर्ड मुंख और मेरे सभी मृत बच्चो को श्रद्धांजलि" (Homage to Edvard Munch and all my dead children & 1998)

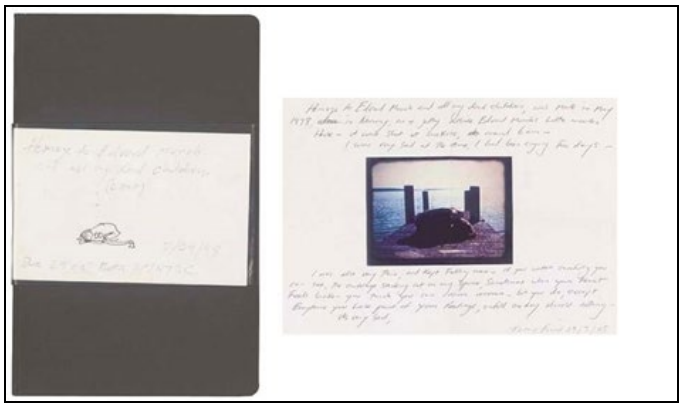

चित्र 4: एडुअर्ड मुंख और मरे सभी मृत बच्चो को श्रद्धांजलि"

चित्र 5: एडुअर्ड मुंख और मरे सभी मृत बच्चो को श्रद्धांजलि

सन् 1998 में निर्मित उनकी यह कलाकृति अभिव्यंजनावादी कलाकार एडवर्ड मुंख से काफी प्रभावित रही है इस लघु फिल्म में ट्रेसी एमिन की दर्दनाक चीख सुनाई देती है। जिसकी अवधि लगभग 1 मिनट से कम होती है। यह लघु फिल्म उसी स्थान पर निर्मित है जिसका चित्रण एडवर्ड मुंख ने अपनी प्रतिष्ठित पेंटिंग ''द स्क्रीम'' 1839 में किया हैं। यह एमिन की पसंदीदा पेंटिंग

रही हैं। ट्रेसी एमिन की कला यात्रा अभिव्यजंनावादी चित्रकार एडवर्ड मुंख और आस्ट्रियन चित्रकार इगोन शिले से प्रभावित हैं।

जब कलाकार की रचनाओं का पर्याय उसका जीवन ही बन जाता है तो वह सामान्य जन के सुख–दुःख से सामंजस्य स्थापित कर लेते हैं। ऐसी आत्मीयता ट्रेसी एमिन जैसी संघर्षशील महिला कलाकार के कृतित्व में महसूस होती हैं। इस कलाकृति की शैली के संदर्भ में बात करें तो ट्रेसी एमिन कलात्मक श्रेणी में नवाचार लेकर आयी। उन्होंने स्वयं के सिद्धान्त निश्चित किये। कला जगत में सौन्दर्य के नवीन प्रतिमान गढे। उनका यह कार्य टेट कला संग्रहालय में सन् 1999 में प्रदर्शित हुआ था ।

4. सभी जिनके साथ मैंने कभी शयन साझा किया" (Everyone I Have Ever Slept With 1963–1995)

चित्र 6: सभी जिनके साथ मैंन

चित्र 7: शयन साझा किया"

अपने टैंट वाले इस कार्य में वे उन सभी इंसानों के नाम लिखती है जिनके साथ उन्होंने कभी अपना शयन साझा किया था। जिनमे उन बच्चे, माँ, भाई बहिन, दोस्त प्रेमी आदि सभी के नाम अंकित करती है। इसमें रोबेर्टो नाविस्कास नाम गलत स्पेलिंग के साथ लिखे जाने के कारण लगभग बीस वर्ष बाद जब वे पुनः कला दुनिया में आयी, तब एक एमिन ने अपने एक कार्य को द लॉस्ट ब ऑफ एमिन य द डिस्कवरी तथा द लॉस्ट ब ऑफ एमिन य अ रेलिकेरी शीर्षक दिया। [7] यह कार्य पूरी तरह से निजता का सार्वजानिक प्रदर्शन है।

उनकी कलात्मक रचनाओं का विषय व उद्देश्य दोनों स्वयं पर आश्रित हैं। वह एक ऐसी महिला कलाकार है जिनकी आवाज पुरूष सोच पर हावी हैं अपने उदासी को नियंत्रित करते हुए वह अन्य कलाकारों से भी अपनी आत्मकथात्मक कला के जरिए संबंध स्थापित करती हैं। वह न केवल इगोन शिले एडवर्ड मुंख और काथे कोल्विथज फ्रीडा काहलो के साथ गहरा संबंध महसूस करती है। बल्कि जिन कलाकारों की भावनाएँ उनकी तरह है उनके साथ भी संबंध स्थापित करती हैं।

5. "बुरी तरह से गलत" (Terribly Wrong & 1997)

चित्र 8: बुरी तरह से गलत

यह कार्य मोनोप्रिंट में है। जिसे कांच के टुकड़े पर ड्राइंग करके, फिर उस इमेज को कागज पर दबाव के साथ प्रिंट लेकर बनाया गया है। एक ड्राइंग में दोनों पैरो के बीच से बहुत सारी मात्रा में तरल बहता सा दिखाया गया है। इन सभी रेखाचित्रों में ट्रेसी ने अपने शारीरिक सम्बन्धो, उनकी कहानियों, बिमारियों के बारे में प्रकटीकरण किया है। कई रेखाचित्रों में तो मात्र रेखाओ द्वारा अतिशय पीड़ा के दर्शन होते है। [8]

6. "होटल इंटरनेशनल" (Hotel International)

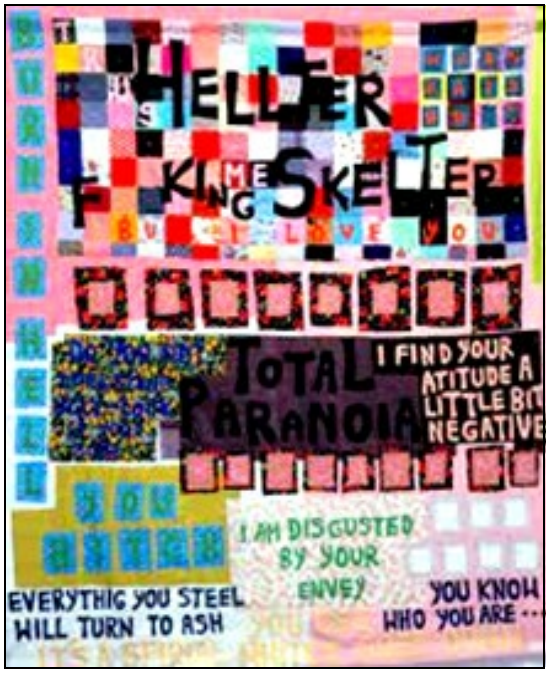

चित्र 9: "होटल इंटरनेशनल"

चित्र 10: "होटल इंटरनेशनल"

इस कलाकृति में एप्लीक वर्क के माध्यम से रजाई के आवरण को बनाया गया हैं। जैसा कि इस कलाकृति का शीर्षक है यह ट्रेसी एमिन के माता–पिता द्वारा स्थापित होटल है जो कि मार्गे, इंग्लैण्ड़ में स्थित था। ट्रेसि ने अपने बचपन का अधिकांश भाग यही व्यतीत किया। ट्रेसी एमिन द्वारा वस्त्र से निर्मित कलाकृतियों की श्रृंखला में यह सबसे पहली व प्रमुख कलाकृति रही हैं।

जिस समय ट्रेसी एमिन ने इस कृति की रचना की उस समय में इस तरह की रचनाओं का चलन कम होता जा रहा था व समकालीन समय में और भी कम होता जा रहा है व इस तरह की रचनाओं को आलोचकों द्वारा स्त्रीवादी कला से जोड़ा जाता था। परन्तु इस तरह की आलोचनात्मक समस्याओं को नजर अंदाज करते हुए ट्रेसि एमिन ने होटल इंटरनेशनल कलाकृति की रचना की। इस कलाकृति में ट्रेसी एमिन ने परिवारजनों, दोस्तों, प्रेमियों और उनसे संबंधित स्थानों के नामों जैसे मार्गेट, साइप्रस, इस्तांबुल, लॉस वेगास, लंदन आदि को अंकित किया गया हैं। इस कार्य में पन्द्रह हस्तलिखित लेख भी लिखे हुए है जो कि महत्वपूर्ण स्थानों तारीखों और घटनाओं को प्रस्तुत करते हैं। लेखन शैली व मोनोप्रिंट का होना भावनात्मकता को कलात्मक शैली में प्रस्तुत करता हैं।

अतः ट्रेसी एमिन की कंबल से संबंधित जो रचनाएँ है उनके स्लोगन नारीवादी सोच को दर्शाते है। पर उनका उद्देश्य नारीवादी रचना करना नहीं था। इन रचनाओं में अंकित नारीवादी स्लोगन दर्शको में जोश के भाव भरते हैं। ये व्यापार संघ के बैनर के रूप में प्रतीत होते है। कभी–कभी चर्च और कैथेड्रल बैनर की तरह बाइबिल के उद्धरणों से युक्त पूज्यनीय होते है ये स्लोगन पॉप गीत के बोल की तरह आकर्षक हैं। एक प्रेमी के लिए प्रेम की तरह व दुश्मन के लिए अपमान की तरह ये एक मजबूत प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं।

7. "सभी वहां रह चुके है" (Everybodies been there, 1997)

चित्र 11: "सभी वहां रह चुक है"

यह कलाकृति उनकी असामयिक लैंगिक संबंधों की तरफ ध्यान आकर्षित करती है। शारीरिक उतार चढ़ावों व संघर्षों के समतुल्य मार्गेट उनके लिए मौजमस्ती भरा स्थल रहा हैं। जब ट्रेसी एमिन मात्र दस वर्ष की थी तब उनकी माता के प्रेमी द्वारा उनके साथ यौन शोषण किया गया। इस दर्द को उन्होंने भगवान से साझा करते हुए कहा है कि ''मेरे प्रत्येक अंग से खून बह रहा हैं''।

8. "मानसिक आत्महत्या" (Mental Suiciede)

एक साक्षात्कार के दौरान इस काल को मानसिक आत्महत्या नाम से संबोधित करती है जब वह हर उस इंसान से हर चीज दूर चली गई जिससे उन्हें प्यार था। उनमें से कलाकृतियों की रचना करना भी प्रमुख कार्य था जिसे उन्होंने छोड़ दिया था। [9] जब उनसे कार्ल फ्रीडमैन द्वारा पूछा गया कि ''आपने फिर से कैसे शुरूआत की'' तो उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया कि वह उस स्थिति में एक असफल कलाकार थी। परन्तु उनको यह विश्वास था कि उनमें कुछ अच्छा करने की क्षमता हैं तो उन्होंने लोगों से उनकी रचनात्मक क्षमता में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। जिससे उन्हें बहुत प्रोत्साहन मिला।

वर्ष 1992 में ट्रेसी एमिन फिर से गर्भवती हो गयी व उन्हें फिर से गर्भपात जैसी दर्दनाक परिस्थिति से गुजरना पड़ा। इस वर्ष के मध्य का समय ऐसा रहा कि वह

प्रत्येक दोस्त और रिश्तेदारी से अलग हो गयी व खुद को पूरी तरह अकेला कर लिया। वह स्वयं कहती है कि ''मैंने मेरी सारी कलात्मक रचनाओं को नष्ट कर दिया। अपना स्टूडियो को छोड़ दिया, पर्दो, तकिये, गलीचे इत्यादि वस्तुएँ जो उनको आरामदायक एहसास करवाती थी उनसे स्वयं को दूर कर लिया। अपने घर को एक कोठरी जैसा बना लिया''। इस काल को उन्होंने बाद में "मानसिक आत्महत्या" का नाम दिया। [10]

9 "माँ के साथ वार्तालाप" (Conversation with Mum)

सन् 2001 में निर्मित यह कलाकृति इंस्टालेशन विडियो है जिसमें ट्रेसी, मिन अपनी माँ से करीब 33 मिनट तक बातचीत करती है इस दौरान उनकी माता उनसे प्र'न करती है कि तुम कलाकार नहीं होती तो तुम क्या होती। ट्रेसी, मिन का उद्देश्य सौन्दर्यपरक रचना करना नहीं है। जिससे लोग उनकी प्रंशसा करें बल्कि उनकी रचना समाज को सन्देश पहुँचाती हैं। उनकी आत्मकथात्मक रचनाओं में जीवन का लेखा–जोखा है।

चित्र 12: "माँ के साथ वार्तालाप"

वह कभी माँ नहीं बन पायी परन्तु एक माँ द्वारा शिशु उत्पन्न करने के अनुभव व महिला प्रजनन की शक्ति की वह प्रशंसा करती हैं। उन्होंने गर्भावस्था की उपमा एक वृक्ष से करते हुए अपनी भावनाएँ व्यक्त की है कि यह ठीक वैसा ही है कि पेड़ की टहनियों की वृद्धि रूक जाती हैं और वहाँ कभी भी नयी पत्तियाँ नहीं पनप पाती हैं। लेकिन वृक्ष फिर भी जीवित रहता हैं। उनके कार्यो कि व्याख्या बाल्यकाल, बचपन की हिंसा और शारीरिक शोषण के सन्दर्भ में ही की जा सकती है। [11]

ट्रेसी एमिन की आत्मकथात्मक कला से घोर निराशा, पीड़ा, दुःख, शर्मिंदगी, तिरस्कार के बावजूद जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। चूँकि उन्होंने इसी के बल पर दुनिया के साधारण जनों के साथ एकता का अनुभव किया है। उनकी रचनाएँ निजी जीवन का लेखा–जोखा मात्र नहीं है वरन् एक ऐसे व्यक्तित्व का चित्रण हैं जो नितान्त सामान्य होते हुए भी एकदम विशिष्ट हैं।

इसी प्रकार ट्रेसी एमिन भी एक प्रयोगशील कलाकार के रूप में हमारे सामने आती हैं। उनकी आत्मकथा में एक साधारण महिला के जीवन संघर्ष की कथा है जिसे एक स्वाभाविक शैली में उसके गुण–दोष के साथ प्रस्तुत किया गया हैं। ट्रेसी एमिन ने अपने निजी संसार के माध्यम से बाहरी दुनिया को अभिव्यक्त किया हैं।

निष्कर्ष

जब कोई कलाकार रचना–विधान कर रहा होता है तो वह समाज से प्राप्त दृष्टि पर निर्भर रहता है परन्तु वास्तविक रूप से उसकी रचना चेतना के भीतर उठे तनाव, आंदोलन व बैचेनी की सौन्दर्यपूर्ण अभिव्यक्ति होती हैं। चेतना को यह आन्दोलन कलाकार के सामाजिक परिवेश उसकी समूहपरक अनुभूति और निज के निरक्षण, अनुभव की विषयवस्तु है यहाँ पर कलाकार एक व्यक्ति के रूप में समाज से बहुत कुछ लेता हैं। साथ ही अपनी रचना के माध्यम से समाज को बहुत कुछ देने को प्रयास करता हैं। इस प्रकार से सभी तथ्य एक कलाकार के कृतित्व में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते हैं। इसी प्रकार उनकी रचनओं में एक विशेष प्रकार का व्यक्ति और समाज का अंतःसंबंध भी अव्यवस्थित होता है अतः ट्रेसी एमिन ने समाज को उस रूप में स्वीकार नहीं किया जिस रूप में समाज उनके देशकाल में था। अपितु उन्होंने समाज के उस रूप को स्वीकार किया जो उनके मानस को संतुष्टिपरक लगा। ट्रेसी एमिन ने जीवन के सत्य को काफी नजदीक से देखा और उनके संघर्ष को स्वीकारा। उन्होंने स्वयं को संघर्षों में तपाया और एक साधारण महिला होते हुए भी असाधारण कलात्मक जीवन की ओर कदम बढ़ाया जीवन के भोगे हुए यथार्थ को सृजन का माध्यम बनाया।

समाज में बाह्य स्तर पर नारी के क्या रूप है और आंतरिक स्तर पर उसकी भावनाएँ क्या है उन्हें उनकी रचनाओं में देखा जा सकता हैं। उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण यही था कि उनके जीवन में जिस तरह का दुःख–दर्द था वह अधिकांश व्यक्तियों के जीवन में होता हैं। इन्ही व्यक्तियों के बीच रहकर उन्ही के दुःख दर्द की भाषा में बोलने वाला व्यक्ति जब उभरकर सामने आता है तो वह रातों–रात लोकप्रिय हो जाता हैं। जब कलाकार अपनी रचनाओं में स्व–यथार्थ को दर्शाता है तो वह सामान्य के सुख–दुःख से सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ हो पाते हैं। ऐसी आत्मीयता ट्रेसी एमिन जैसी संघर्षशील महिला ही दे सकती हैं। जब इन्हीं कृतियों में आत्मकथात्मक तत्व उपस्थित होते है। तो वे और भी प्रसिद्ध हो जाते है। इस प्रकार उनकी लोकप्रियता के साथ–साथ उनकी कलाकृतियों का बहुत बड़ा दर्शकवर्ग भी तैयार हुआ हैं। ट्रेसी एमिन को लोकप्रिय बनाने में उनके दर्शको का बहुत बड़ा योगदान रहा है। प्रायः कलाकार अपने जीवन के अंत समय में लोकप्रिय होते है लेकिन ट्रेसी एमिन अपनी प्रारम्भिक कलाकृतियों से चर्चित हो कर प्रसिद्धि पायी हैं।

इस प्रकार उनकी आत्मकथात्मक कला में सामाजिक–व्यक्तित्व एवं सृजनशील व्यक्तित्व का संघर्ष एवं सामंजस्य दिखता हैं। स्त्री–पुरूष के रिश्तो को लेकर चिंतन भी उनकी कलाकृतियों में देखने को मिलता हैं। ट्रेसी एमिन की कृतियों की लोकप्रियता के पीछे नवीन

माध्यमों का भी बहुत बड़ा योगदान हैं। कलाकृतियों के माध्यम से धन प्राप्ति में उनकी सृजनात्मकता पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ा। उनकी रचना की गुणवत्ता खास माँग या बाजार की माँग के अनुसार प्रभावित नहीं हुई। उनके लिए पैसे से अधिक सृजन के मायने हैं। इस प्रकार ट्रेसी एमिन अपने कार्य और संघर्ष के द्वारा कला जगत में लोकप्रिय कलाकार बन जाती है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. https%//www-tate-org-uk/art/artists/tracey&emin&2590/introduction
2. मिलनेर, फ्रेंक (1 जनवरी 2004), द स्टकिस्टः पुंक विक्टोरियन, नेशनल म्यूजियम्स लिवरपूल, पेज–8,
3. https%//www-theartstory-org/artist/emin&tracey/\
4. https%//www-theartstory-org/artist/emin&tracey/\
5. ब्राउन, नील (1 नवंबर 2006), टेट मॉडर्न आर्टिस्टः 6 ट्रेसी एमिन, हेर्री एन अब्राम्स, पेज–54,
6. ट्रेसी एमिन, लंदनः टेट पब्लिशिंग, (2006), पेज–78,
7. कोकोली, अलेक्सेंड्राः चेरी, डिबोराह (14 मई 2020), ट्रेसी एमिनः आर्ट इन टू लाइफ, बरी विजुअल आर्ट्स, पेज–101,
8. https%//www-tate-org-uk/art/artists/tracey&emin&2590/introduction
9. फ्रेलिंग, क्रिस्टोफर (1 जनवरी 1999), आर्ट एंड डिजाइनः 100 इयर्स एट द रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, कॉलिंस एंड ब्राउन, पेज–56
10. हार्टने, एलेनोरः पोसनेर, हेलेनः प्रिंसेन्थल, नेन्सीः स्कॉट, सूए (2013), द रेकोनिंगः वीमेन आर्टिस्ट ऑफ द न्यू मिलेनियम, न्यू यॉर्कः प्रेस्टल, पेज–40,.
11. ब्राउन, नील (1 नवंबर 2006), टेट मॉडर्न आर्टिस्टः ट्रेसी एमिन, हेर्री एन अब्राम्स, पेज–28।